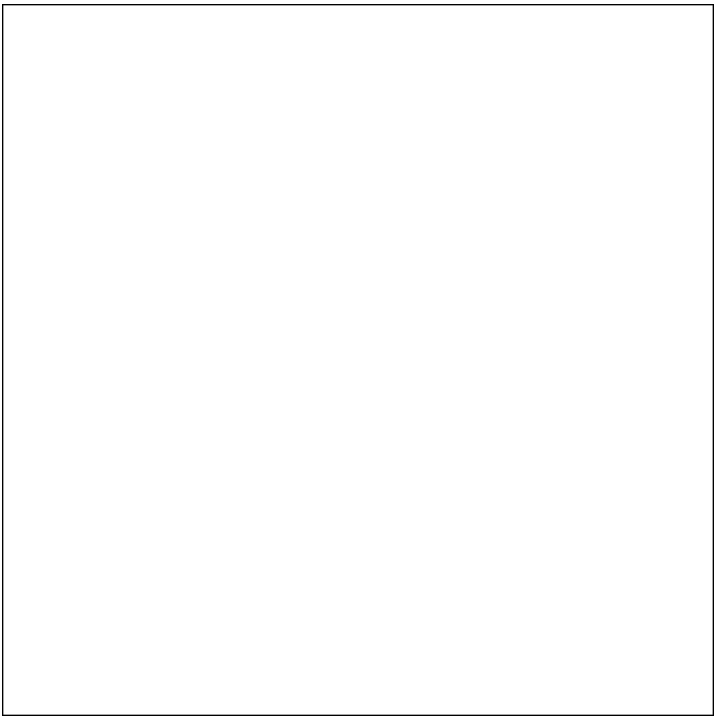




(imageless edition)

Ursula Nafula ✎
Jesse Pietersen 📖
Tanvi Sirari 🗣️
Hindi!
Level 2



खनाई पीपी से बात करती है



Storybooks Canada

storybookscanada.ca

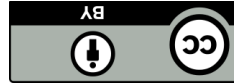
खनाई पीपी से बात करती है

Written by: Ursula Nafula

Illustrated by: Jesse Pietersen

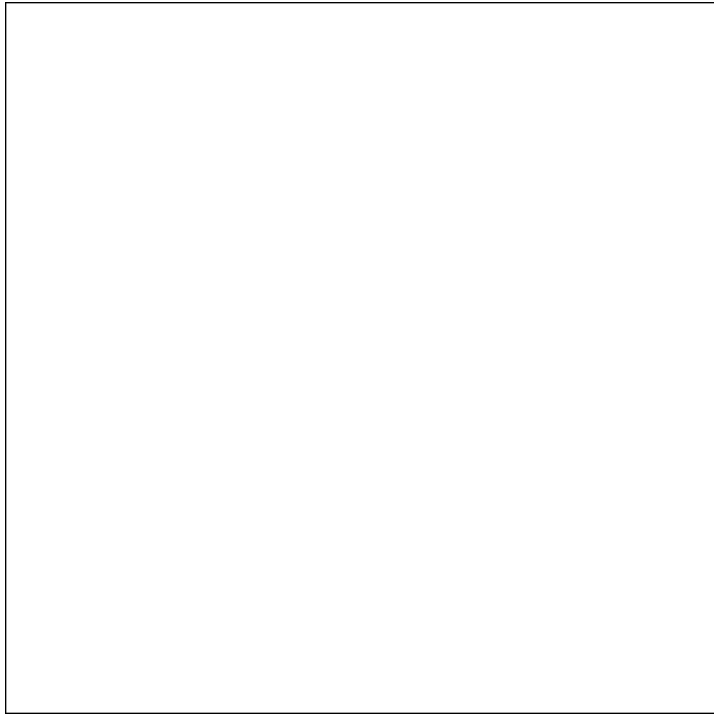
Translated by: Tanvi Sirari

This story originates from the African Storybook (africanstorybook.org) and is brought to you by Storybooks Canada in an effort to provide children's stories in Canada's many languages.

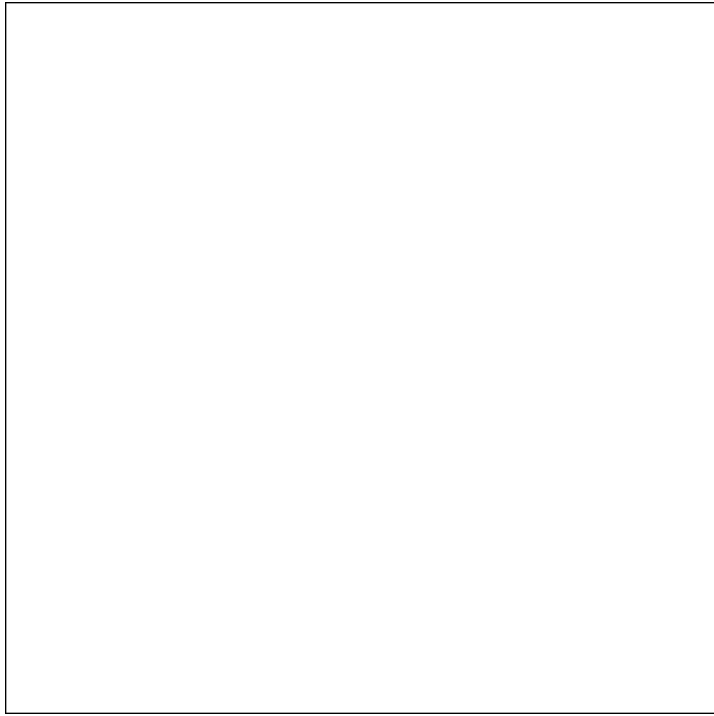


This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

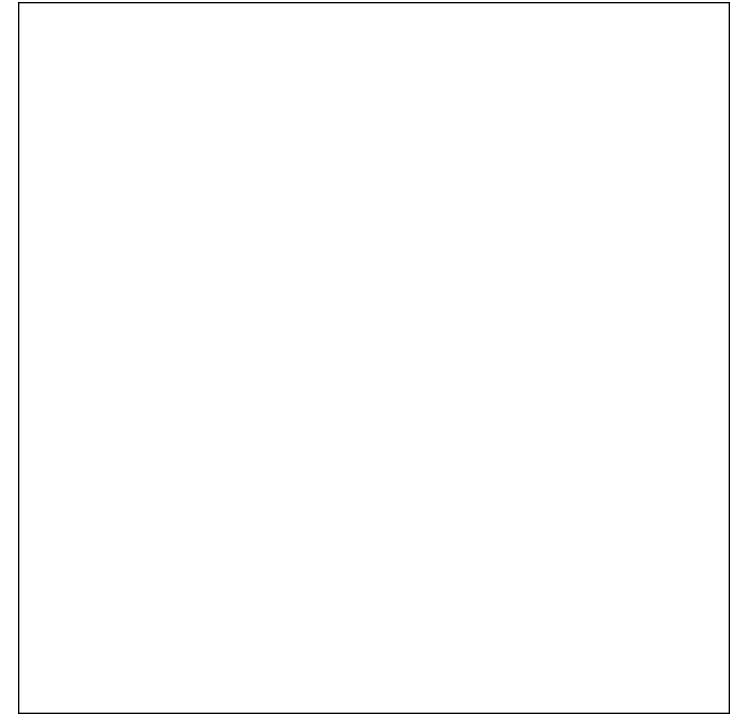
<https://creativecommons.org/licenses/by/4.0>



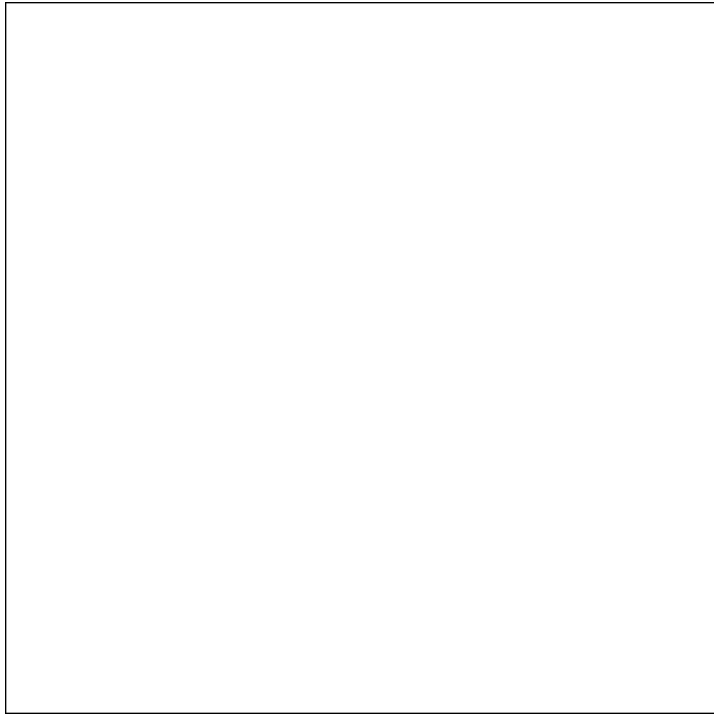
ये खलाई है। ये सात साल की है। इसकी भाषा लुबुकुसु में इसके नाम का मतलब है, “एक अच्छी इंसान”।



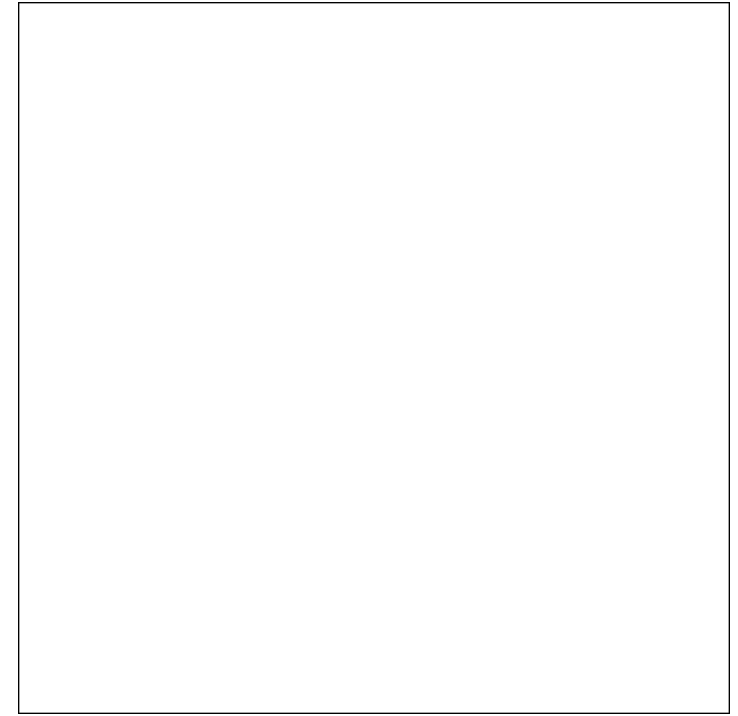
खलाई विद्यालय चलकर जाती है। रास्ते में वो घास से बात करती है। “कृपया घास, हरी-भरी हो जाना और सूखना मत।”



“संतरे अभी भी हरे हैं,” खलाई ने आह भरते हुए कहा। “मैं तुमसे कल मिलूँगी संतरे के पेड़,” खलाई बोली। “शायद तब तुम्हारे पास मेरे लिये एक पका संतरा होगा!”



विद्यालय में, खलाई आँगन के बीच में लगे पेड़ से बात करती है। “कृपया पेड़, अपनी शाखाओं को बड़ी करो ताकि हम तुम्हारी छाया के नीचे पढ़ सकें।”



खलाई अपने विद्यालय के चारों ओर लगी बाड़ से बात करती है। “कृपया ताकतवर बनो और बुरे लोगों को अंदर आने से रोको।”